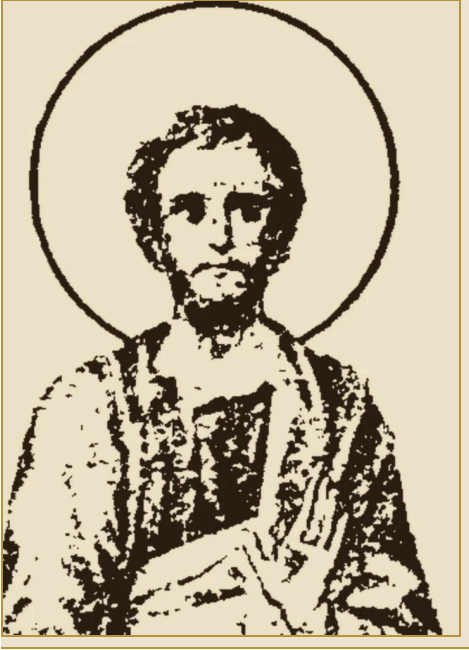




प्रेरितिक उत्तराधिकार

सत्तर में से एक प्रेरित संत त्रुफिमस से, स्कॉटलैंड की एपिस्कोपल कलीसिया और बिशप Samuel Seabury होते हुए, वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



1. संत त्रुफिमस, सत्तर में से एक प्रेरित^{CO}

लगभग 30 ई. में सत्तर चेलों में से एक के रूप में मसीह द्वारा भेजे गए (लूका 10:1)

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: “इफिसुस वासी त्रुफिमस”, संत पौलुस के साथी (प्रेरितों के काम 20:4; 21:29; 2 तीमुथियुस 4:20)

उस कलीसिया की परंपरा के अनुसार, आर्ल के प्रथम बिशप

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित त्रुफिमस से आरंभ होकर आज तक चला आता है –

2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

संत पौलुस के साथी संत त्रुफिमस को पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया सत्तर में से एक प्रेरित के रूप में सम्मानित करती है; वह 15 अप्रैल को प्रेरित अरिस्तर्खुस और पूदेस के साथ उनका पर्व मनाती है, और उन्हें उन सत्तर प्रेरितों में गिनती है जिनका 4 जनवरी को एक साथ सम्मान किया जाता है। आर्ल की कलीसिया संत त्रुफिमस को अपना संस्थापक और प्रथम बिशप मानती है, जिन्हें रोम से भेजा गया था, जैसा कि पोप संत ज़ोसिमस ने 417 ई. में लिखा, और संत पौलुस के शिष्य के रूप में उनके प्रति श्रद्धा रखती है; रोमन कैथोलिक कलीसिया 29 दिसंबर को आर्ल के संत त्रुफिमस का पर्व मनाती है।

उनके बाद के जीवन के विषय में कलीसियाओं की परंपराएँ भिन्न हैं। ऑर्थोडॉक्स परंपरा बताती है कि संत पौलुस के साथी ने नीरो के अधीन रोम में अपने प्राण दिए, जबकि आर्ल की कलीसिया उन्हें अपना संस्थापक बिशप मानती है; और टूस के संत ग्रेगरी ने, लगभग 590 ई. में, त्रुफिमस के आर्ल-मिशन को तीसरी शताब्दी में रखा।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

आर्ल

गॉल में आर्ल का पीठ, जिसकी स्थापना संत त्रुफिमस ने की। आर्ल के बिशप, उनके उत्तराधिकारी Dionysius से Virgilius तक। इसी पीठ से संत ऑगस्टीन ने इंग्लैंड के अपने मिशन के लिए बिशप-पद पर अभिषेक प्राप्त किया।

2. Dionysius	80
3. Regulus	85
4. Felicissimus	100
5. Gratus	120
6. Ambrosius	145
7. Martinus	170
8. Ingenuus	180
9. Augustinus	200
10. Hieronymus	220
11. Savitius	230
12. Marcianus	240

13. Victor	250
14. Marinus	270
15. Martinus II	270
16. Nicasius	330
17. Valentinus	342
18. Saturninus	354
19. Crescentius	365
20. Concordius	380
21. Constantinus	392
22. Heros	410
23. Patroclus	422
24. संत Honoratus ^{CO}	426
25. संत हिलेरियस ^{CO}	438
26. Ravennius	449
27. Leontius	463

28. Aeonius	493
29. संत Caesarius ^{CO}	502
30. Auxanius	542
31. संत Aurelianus ^{CO}	546
32. Sapaudus	556
33. Licerius	586
34. संत Virgilius ^{CO}	588

कैंटरबरी

कैंटरबरी का पीठ, जिसकी स्थापना संत ऑगस्टीन ने की, जिन्हें पोप संत ग्रेगरी महान ने 597 में अंग्रेजों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजा।

35. कैंटरबरी के संत ऑगस्टीन ^{CO}	597
36. संत Laurence ^{CO}	604
37. संत Mellitus ^{CO}	619
38. संत Justus ^{CO}	624
39. संत Honorius ^{CO}	627
40. संत Deusdedit ^{CO}	655
41. तरसुस के संत Theodore ^{CO}	668
42. संत Brihtwald ^{CO}	693
43. संत Tatwine ^{CO}	731
44. संत Nothelm ^{CO}	735
45. Cuthbert	740
46. संत Bregowine ^{CO}	759
47. Jaenberht	766
48. Æthelhard	793
49. Wulfred	805
50. Feologild	832
51. Ceolnoth	833
52. Æthelred	870

53. Plegmund	890
54. संत Athelm ^{CO}	914
55. Wulfhelm	923
56. संत Oda ^{CO}	942
57. संत Dunstan ^{CO}	960
58. Æthelgar	988
59. Sigeric	990
60. Ælfric	995
61. संत Ælfheah ^{CO} शहीद	1006
62. Lyfing	1013
63. Æthelnoth	1020
64. Eadsige	1038
65. ज्यूमिएज के Robert	1051
66. Stigand	1052
67. Lanfranc	1070
68. संत Anselm ^C	1093
69. Ralph d'Escures	1114
70. William de Corbeil	1123
71. बेक के Theobald	1139
72. संत Thomas Becket ^C शहीद	1162
73. डोवर के Richard	1174
74. फोर्ड के Baldwin	1185
75. Reginald Fitz Jocelin	1191
76. Hubert Walter	1193
77. Stephen Langton	1207
78. Richard le Grant	1229
79. संत Edmund Rich ^C	1234
80. सेवॉय के धन्य Boniface ^C	1245
81. Robert Kilwardby	1273

82. John Peckham	1279
83. Robert Winchelsey	1294
84. Walter Reynolds	1313
85. Simon Mephram	1328
86. John Stratford	1333
87. Thomas Bradwardine	1349
88. Simon Islip	1349
89. Simon Langham	1366
90. William Whittlesey	1368
91. Simon Sudbury	1375
92. William Courtenay	1381
93. Thomas Arundel	1396
94. Henry Chichele	1414
95. John Stafford	1443
96. John Kemp	1452
97. Thomas Bouchier	1454
98. John Morton	1486
99. Henry Deane	1501
100. William Warham	1503
101. Thomas Cranmer	1533

चर्च ऑफ़ इंग्लैंड

धर्मसुधार (Reformation) के बाद, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड के बिशप, प्रत्येक अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप द्वारा अभिषिक्त, Gilbert Sheldon तक।

102. John Scory	1551
103. Matthew Parker	1559
104. Edmund Grindal	1559
105. John Whitgift	1577
106. Richard Bancroft	1597

107. George Abbot	1609
108. George Montaigne	1617
109. William Laud	1621
110. Brian Duppa	1638
111. Gilbert Sheldon	1660

स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड की एपिस्कोपल कलीसिया के बिशप: James Sharp से, जिन्हें 1661 में वेस्टमिंस्टर में Gilbert Sheldon ने, जो उस समय लंदन के बिशप और बाद में कैटरबरी के आर्चबिशप थे, बिशप के रूप में अभिषिक्त किया, नॉन-ज्यूरिंग (Non-Juring) बिशपों से होते हुए, जिनमें से प्रत्येक को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया, प्राइमस (Primus) Robert Kilgour तक।

112. James Sharp	1661
113. Alexander Burnet	1663
114. Arthur Rose	1675
115. Alexander Rose	1687
116. Arthur Millar	1718
117. Thomas Rattray	1727
118. William Falconer	1741
119. Robert Kilgour	1768

अमेरिका

Samuel Seabury से, जिन्हें 1784 में एबरडीन में स्कॉटलैंड के बिशपों ने संयुक्त राज्य अमेरिका की कलीसिया के प्रथम बिशप के रूप में अभिषिक्त किया। 1792 में Seabury ने इंग्लैंड में अभिषिक्त बिशपों के साथ मिलकर Thomas John Claggett पर हाथ रखे, जिससे अमेरिका में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के उत्तराधिकार-क्रम एक हो गए; Claggett से यह उत्तराधिकार यहाँ सूचीबद्ध प्रत्येक अभिषेक में हाथ रखनेवाले बिशपों के द्वारा उन तक पहुँचता है जिन्होंने इसे आज तक आगे बढ़ाया है।

120. Samuel Seabury	1784
121. Thomas John Claggett	1792
122. Edward Bass	1797

123. Abraham Jarvis	1797
124. John Henry Hobart	1811
125. Henry Ustick Onderdonk	1827
126. Benjamin Treadwell Onderdonk	1830
127. Samuel Allen McCoskry	1836

128. William Edward McLaren	1875
129. William Montgomery Brown	1898
130. Wallace David de Ortega Maxey	1927
131. Nils Bertil Alexander Persson	1986
132. Samuel Guido, Jr.	2004

133.

GARLAND F. BYERS, JR.

2013

कैंटरबरी की आर्चबिशप के साथ साझा उत्तराधिकार

कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally), और बिशप बायर्स संत त्रुफिमस से Gilbert Sheldon (अभिषिक्त 1660; कैंटरबरी के आर्चबिशप 1663–1677) तक प्रेरितिक उत्तराधिकार का एक ही क्रम साझा करते हैं। Sheldon ने अपने ही हाथों से उन बिशपों को अभिषिक्त किया जिनसे दोनों क्रम निकलते हैं: आर्चबिशप मुलाली के क्रम में Henry Compton को, 1674 में; बिशप बायर्स के इस क्रम में James Sharp को, 1661 में।



पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, [बिशप के विषय में](#) पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](#) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

संत त्रुफिमस, पवित्र प्रेरित अरिस्तर्खुस, पूदेस और त्रुफिमस के चित्र से, रूसी संतों की जीवनियाँ (मॉस्को, 1903–1911) में, 15 अप्रैल के पर्व के लिए।

[Wikimedia Commons](#) के माध्यम से, सार्वजनिक डोमेन; मूल से काटकर, रंग-संशोधित कर और आकार बदलकर।